RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

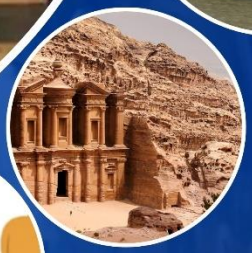

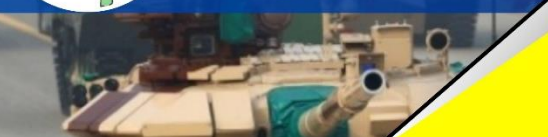

DATE
अक्टूबर
19
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors
13. Index

By Ankit Avasthi Sir

23वीं SCO के शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक/ 23rd SCO Council of Heads of Government

हाल ही में **इस्लामाबाद** में **शंघाई सहयोग संगठन (SCO)** के **शासनाध्यक्षों की परिषद की 23वीं बैठक** का आयोजन हुआ, जिसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई और आठ प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों में SCO के **बजट, सचिवालय के संचालन, और आतंकवाद विरोधी प्रयासों** जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

शिखर सम्मेलन के मुख्य निष्कर्ष:

- ✓ **भारत की चिंता:**
  - भारत ने क्षेत्रीय शांति और विकास के लिए **आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद** के खिलाफ चेतावनी दी।
  - **भारत ने चीन** की **बेल्ट एंड रोड पहल** का समर्थन नहीं किया, जो क्षेत्रीय **अखंडता और संप्रभुता** के सिद्धांतों के खिलाफ है।
- ✓ **रूस पर प्रतिबंध:** बैठक में पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए **"एकतरफा प्रतिबंधों"** की आलोचना की गई।
- ✓ **डिजिटल एजेंडा:** भारत के डिजिटल एजेंडे को आगे बढ़ाया गया, जिसमें **डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई)** और डिजिटल समावेशन को SCO सहयोग के ढांचे में शामिल किया गया।

भारत के लिए SCO का महत्व:

- ☑ **आतंकवाद का मुकाबला:** क्षेत्रीय **आतंकवाद विरोधी संरचना (आरएटीएस)** के माध्यम से आतंकवादी गतिविधियों और मादक पदार्थों की तस्करी पर जानकारी और खुफिया जानकारी तक पहुंच प्राप्त होती है।
- ☑ **मध्य एशिया में सहयोग:** यह भारत को कनेक्ट **सेंट्रल एशिया नीति** को आगे बढ़ाने में सहायता करता है।
- ☑ **भारत-रूस सहयोग:** SCO **भारत और रूस** के बीच घनिष्ठ सहयोग के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- ☑ **ऊर्जा सुरक्षा:** इस क्षेत्र में **विश्व के प्राकृतिक गैस और तेल** के महत्वपूर्ण भंडार मौजूद हैं।
- ☑ **चीनी प्रभुत्व को संतुलित करना:** **चाबहार बंदरगाह और INSTC** जैसे परियोजनाओं के माध्यम से चीनी प्रभाव को संतुलित किया जा सकता है।

SCO की चुनौतियाँ:

- ✓ **सदस्य देशों के बीच विवाद:** विभिन्न सदस्य देशों के बीच मतभेद और विवाद SCO के कार्यों को प्रभावित कर सकते हैं।
- ✓ **चीनी और रूसी प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा:** चीन और रूस के बीच शक्तियों का संतुलन बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है।
- ✓ **भिन्न हितों का टकराव:** सदस्य देशों के भिन्न भिन्न हित भी संगठन के समक्ष चुनौतियां पेश करते हैं।

SCO के बारे में

- ☑ **मुख्यालय:** बीजिंग, चीन
- ☑ **उत्पत्ति:** 2001 में कजाकिस्तान, चीन, किर्गिज गणराज्य, रूस, ताजिकिस्तान, और उज्बेकिस्तान द्वारा स्थापित स्थायी अंतर-सरकारी अंतर्राष्ट्रीय संगठन।
- ☑ **वर्तमान सदस्य:** **भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और बेलारूस।** अफगानिस्तान और मंगोलिया को पर्यवेक्षक का दर्जा प्राप्त है।
- ☑ **लक्ष्य:**
  - सदस्य देशों के बीच आपसी विश्वास, मैत्री और पड़ोसी संबंधों को मजबूत करना।
  - राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में प्रभावी सहयोग को बढ़ावा देना।

AI को एकीकृत करने के लिए एक नया ढांचा और दिशानिर्देश
A new framework and guidelines for integrating AI

भारत ने रक्षा अभियानों में विश्वसनीय **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) को एकीकृत करने के लिए एक नया ढांचा और दिशानिर्देश** विकसित किया है, जिसे **चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ** द्वारा मान्यता दी गई है। यह कदम रक्षा क्षेत्र में AI के प्रभावी और जिम्मेदार उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

विश्वसनीय AI (ETAI) फ्रेमवर्क:

ETAI एक जोखिम-आधारित मूल्यांकन ढांचा है, जो विशेष रूप से रक्षा क्षेत्र के लिए तैयार किया गया है। यह निम्नलिखित पांच सिद्धांतों पर केंद्रित है:

- ✓ **विश्वसनीयता और मजबूती:** AI प्रणालियों का ऐसा निर्माण करना जो **विश्वसनीय और स्थायी** हो।
- ✓ **सुरक्षा:** AI सिस्टम की सुरक्षा सुनिश्चित करना ताकि वे संभावित खतरों से मुक्त रहें।
- ✓ **पारदर्शिता:** AI प्रणालियों के निर्णय लेने की प्रक्रियाओं को समझना और स्पष्ट करना।
- ✓ **निष्पक्षता:** सभी उपयोगकर्ताओं के लिए निष्पक्षता सुनिश्चित करना, ताकि किसी भी प्रकार का भेदभाव न हो।
- ✓ **गोपनीयता:** उपयोगकर्ता डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता को बनाए रखना।

यह फ्रेमवर्क विश्वसनीय **AI के मूल्यांकन के लिए मानदंडों** का एक समग्र सेट परिभाषित करता है और इसके **निर्माण और मूल्यांकन** के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करता है।

AI के उपयोग के क्षेत्र में बदलाव:

- **बुद्धिमान हथियार प्रणालियाँ:** AI ड्रोन और अन्य स्वायत्त प्रणालियों की क्षमताएँ बढ़ रही हैं। उदाहरण के लिए, इज़राइली यूएवी हार्पी और हारोप।
- **कमांड और कंट्रोल:** AI वास्तविक समय में बड़े डेटा को प्रोसेस करके **कमांड और नियंत्रण** की क्षमताओं को बढ़ाता है। उदाहरण के लिए, AI आधारित घुसपैठ का पता लगाने वाले सिस्टम।
- **निर्णय-समर्थन प्रणालियाँ:** AI-संचालित **निर्णय-समर्थन प्रणालियाँ** जटिल युद्ध स्थितियों का तेजी से आकलन कर सकती हैं और उपयुक्त रणनीतियों का सुझाव देती हैं। उदाहरण के लिए, भारतीय सेना द्वारा स्टॉर्म ड्रोन का उपयोग।

AI के उपयोग से संबंधित चिंताएँ:

- **आकस्मिक क्षति:** स्वचालित हथियारों के उपयोग से नागरिकों की अप्रत्याशित हताहत हो सकते हैं।
- **कानूनी और नैतिक अस्पष्टता:** मानवाधिकार उल्लंघन और नागरिक हताहतों के मामलों में अस्पष्टता।
- **अन्य मुद्दे: साइबर सुरक्षा जोखिम, विश्वसनीयता की कमी, और संघर्ष** को बढ़ावा देने की संभावनाएँ।

भारत द्वारा उठाए गए कदम: भारत ने रक्षा क्षेत्र में AI को अपनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं:

- ☑ **रक्षा एआई परिषद (DAIC):** AI के लिए मार्गदर्शन और नीति स्तर पर परिवर्तन प्रदान करने के लिए स्थापित की गई है।
- ☑ **रक्षा एआई परियोजना एजेंसी (DAIPA):** AI सक्षम अनुप्रयोगों के विकास के लिए **रोडमैप तैयार** किया गया है।
- ☑ **रक्षा विभाग के लिए AI रोडमैप:** विकास के लिए **61 रक्षा विशिष्ट AI** परियोजनाओं की पहचान की गई है।
- ☑ **रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार (ISEX) ढांचा:** यह नवाचार को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) के बारे में

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) एक महत्वपूर्ण पद है जो भारत की सशस्त्र सेनाओं के लिए एकल-बिंदु सलाहकार के रूप में कार्य करता है। यह पद **सेना, नौसेना और वायु सेना** के प्रमुख के रूप में कार्य करता है और एक **चार सितारा सैन्य अधिकारी** होता है। CDS का मुख्य उद्देश्य भारतीय सशस्त्र बलों के बीच एकीकरण और सहयोग को बढ़ावा देना है।

CDS का इतिहास और गठन:

- ☑ **पहली नियुक्ति:** जनरल बिपिन रावत को **30 दिसंबर 2019** को भारत के पहले CDS के रूप में नियुक्त किया गया था।
- ☑ **कारगिल युद्ध की सिफारिशें:** CDS के पद का सृजन **1999** के **कारगिल युद्ध** के बाद की गई सिफारिशों पर आधारित है। उस समय, एक उच्च स्तरीय समिति ने देश की सुरक्षा व्यवस्था में खामियों की जांच की और सिफारिश की कि तीनों सेनाओं में एक चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ होना चाहिए।
- ☑ **समिति की सिफारिश:** समिति ने सुझाव दिया कि यह व्यक्ति रक्षा मंत्री का एकल-बिंदु सैन्य सलाहकार होना चाहिए और उसे एक पाँच सितारा अधिकारी होना चाहिए।
- ☑ **2001 में सिफारिश:** मंत्रियों के एक समूह **(GoM)** ने 2001 में इस नियुक्ति की सिफारिश की, लेकिन इसे **2019 में लागू** किया गया जब प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से इस योजना की घोषणा की।

जैविक भोजन से आंत संबंधी बीमारी का खतरा / Organic food increases the risk of intestinal disease

खाद्य सुरक्षा के संदर्भ में जैविक भोजन के स्वास्थ्य लाभ और इसके बढ़ते वैश्विक उपयोग के साथ आंत संबंधी बीमारी के खतरे जैसी चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। जैविक भोजन की विशेषता यह है कि इसे **हानिकारक कीटनाशकों, कृत्रिम उर्वरकों**, और **आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों** के बिना उगाया जाता है, जो इसे अधिक **पोषक** और स्वास्थ्यवर्धक बनता है।

स्वास्थ्य लाभ:

- ✓ **रोगों का कम जोखिम:** जैविक भोजन के सेवन से **मोटापा, मधुमेह**, और **उच्च रक्तचाप** जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। इसका कारण यह है कि जैविक भोजन में **हानिकारक रसायन और प्रसंस्करण** का अभाव होता है।
- ✓ **पोषण में वृद्धि:** अध्ययनों के अनुसार, जैविक फलों और सब्जियों में **एंटीऑक्सीडेंट** की मात्रा पारंपरिक खाद्य पदार्थों की तुलना में अधिक होती है।
- ✓ **स्वाद और गुणवत्ता:** उपभोक्ताओं की राय के अनुसार, जैविक तरीके से उगाए गए खाद्य पदार्थ पारंपरिक रूप से उगाए गए उत्पादों की तुलना में **बेहतर स्वाद** और **गुणवत्ता** वाले होते हैं।

वृद्धि और चुनौतियाँ:

- भारत में जैविक खाद्य बाजार की **2022** में कीमत **1.278 मिलियन अमेरिकी डॉलर** थी और **2028** तक इसके **4.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर** तक बढ़ने का अनुमान है।
- उपभोक्ता अब अधिक जागरूक हो गए हैं और वे **स्वस्थ और सुरक्षित भोजन** की ओर रुख कर रहे हैं, जिसमें **रसायन अवशेष** और **कीटनाशकों** का उपयोग न हो।
- हालाँकि, जैविक खेती के बढ़ते प्रसार के साथ **खाद्य सुरक्षा** से जुड़ी कुछ चिंताएँ भी उत्पन्न हो रही हैं।

खाद्य सुरक्षा चुनौतियाँ:

- ☑ **आंत बैक्टीरिया और रोगाणु:** जैविक उत्पादों में **साल्मोनेलोसिस, हैजा** और **पेचिश** जैसे रोगों को उत्पन्न करने वाले **आंत बैक्टीरिया** के संक्रमण का जोखिम बढ़ रहा है। यह समस्या जैविक कृषि पद्धतियों में **प्राकृतिक खाद** और **पशु मल** के उपयोग से उत्पन्न हो रही है।
- ☑ **सूक्ष्मजीव संक्रमण:** बैक्टीरिया अक्सर जैविक फलों और सब्जियों की **सतह** पर चिपक जाते हैं और आंतरिक रूप से उनमें निवास कर लेते हैं, जिससे उन्हें हटाना मुश्किल हो जाता है।
- ☑ **दूषित सिंचाई जल:** जैविक खेती में उपयोग किए जाने वाले **सिंचाई जल** का दूषित होना भी एक बड़ी चिंता का विषय है। दूषित जल से रोगाणुओं का संक्रमण फसलों में फैल सकता है।

सुरक्षा उपाय:

- ☑ **अच्छी कृषि पद्धतियाँ:** जैविक खाद को **सुरक्षित थर्मल और एरोबिक प्रक्रियाओं** से बनाया जाना चाहिए ताकि हानिकारक बैक्टीरिया का नाश हो सके। इसके अलावा, **स्वच्छ सिंचाई जल और पर्यावरणीय प्रबंधन** पर ध्यान देना आवश्यक है।
- ☑ **रोगाणुनाशक तकनीक:** ताजे उत्पादों को प्रसंस्कृत करने और उन्हें धोने के लिए रोगाणुनाशक तकनीक अपनानी चाहिए, ताकि बैक्टीरिया का प्रभाव कम किया जा सके।
- ☑ **रियल-टाइम मॉनिटरिंग:** खाद्य सुरक्षा बनाए रखने के लिए **रियल-टाइम माइक्रोबियल मॉनिटरिंग** तकनीकों का उपयोग आवश्यक है।

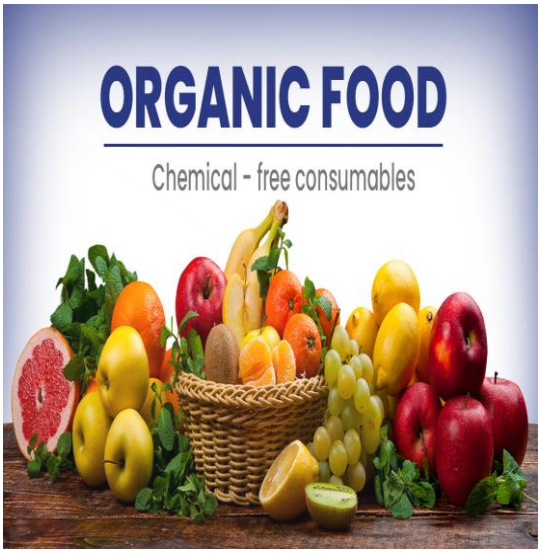

जैविक भोजन (Organic Food) क्या हैं?

जैविक भोजन (Organic Food) वे खाद्य पदार्थ होते हैं, जो बिना रा**सायनिक उर्वरकों, कीटनाशकों और जैव-इंजीनियरिंग** तकनीकों के प्रयोग के उगाए जाते हैं। इसे उगाने के लिए प्राकृतिक तरीकों का इस्तेमाल किया जाता है, जैसे **प्राकृतिक खाद, जैविक कीटनाशक, और मिट्टी** को स्वस्थ रखने वाली प्रक्रियाएँ।

जैविक भोजन के कुछ प्रमुख पहलू:

- ☑ **रासायनिक मुक्त:** जैविक खेती में **रासायनिक खादों, कीटनाशकों** और **हर्बिसाइड्स** का इस्तेमाल नहीं किया जाता।
- ☑ **प्राकृतिक उर्वरक:** इसमें **गोबर की खाद, कम्पोस्ट, और हरी खाद** जैसी प्राकृतिक खादों का उपयोग किया जाता है।
- ☑ **मिट्टी का स्वास्थ्य:** जैविक खेती में मिट्टी के प्राकृतिक पोषक तत्वों को बनाए रखने के लिए **फसल चक्र, फसल आवर्तन, और मिश्रित खेती** का प्रयोग किया जाता है।
- ☑ **जीएमओ से मुक्त:** जैविक भोजन को उगाने में **आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों (GMOs)** का उपयोग नहीं किया जाता है।

INS संध्याक / INS Sandhayak

गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) द्वारा नौसेना दिवस के अवसर पर **INS संध्याक** को सौंपा गया है। यह भारतीय नौसेना के लिए दो बहुउद्देश्यीय पोतों (MPV) में से पहला है।

INS संध्याक की विशेषताएँ:

- ✓ **निर्माण:** INS संध्याक का डिजाइन और निर्माण **कट्टुपल्ली** स्थित **लार्सन एंड टुब्रो (L&T)** शिपयार्ड द्वारा किया गया है। यह केंद्र की **'मेक इन इंडिया'** पहल और **'आत्मनिर्भर विजन'** के अनुरूप है।
- ✓ **भूमिका:** यह पोत अगली पीढ़ी के हथियारों और सेंसरों के विकास और परीक्षण में सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसकी बहुपरकता इसे विभिन्न कार्यों के लिए उपयुक्त बनाती है, जैसे:
  - **समुद्री निगरानी**
  - **गश्त**
  - **सतह और हवाई लक्ष्यों को लॉन्च और पुनर्प्राप्त करना**
  - **मानवीय सहायता प्रदान करना**
  - **समुद्री प्रदूषण का मुकाबला करना**
- ✓ **आकार और गति:**
  - **लंबाई:** 107 मीटर
  - **चौड़ाई:** 18.6 मीटर
  - **विस्थापन:** 3,750 टन से अधिक
  - **अधिकतम गति:** 15 नॉट

कट्टुपल्ली शिपयार्ड:

- ☑ **स्थान:** कट्टुपल्ली शिपयार्ड **तमिलनाडु** के **चेन्नई** से लगभग **45 किमी** उत्तर में **एन्नोर** में स्थित है।
- ☑ **विशेषताएँ:** यह भारत में सबसे उन्नत जहाज निर्माण और मरम्मत सुविधाओं में से एक है। यार्ड में नए निर्माण के लिए **शिपलिफ्ट, ड्राई बर्थ और वेट बर्थ** जैसी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।
- ☑ **वर्तमान परियोजनाएँ:** कट्टुपल्ली शिपयार्ड दो MPV के **निर्माण** के अलावा, भारतीय नौसेना के लिए तीन कैडेट प्रशिक्षण जहाजों और छह अन्य रक्षा जहाजों का निर्माण कर रहा है।
- ☑ **अमेरिकी नौसेना के साथ सहयोग:** यह यार्ड **अमेरिकी** नौसेना के साथ मास्टर शिप रिपेयर समझौते के तहत अमेरिकी नौसेना के जहाज **चार्ल्स ड्रू** की मरम्मत में भी शामिल है।

निष्कर्ष: INS संध्याक भारतीय नौसेना के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान है, जो **'मेक इन इंडिया'** पहल को आगे बढ़ाने के **साथ-साथ सुरक्षा और रक्षा** के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम है। इसकी बहुपरक क्षमताएँ और तकनीकी उन्नति भारतीय नौसेना को समकालीन समुद्री चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाएगी।

बहुउद्देश्यीय पोत (MPV)

MPV एक **अत्यधिक विशिष्ट, बहु-भूमिका** वाला प्लेटफॉर्म है, जिसे भारतीय नौसेना के लिए अगली पीढ़ी के हथियारों और सेंसर के विकास के लिए एक परीक्षण प्लेटफॉर्म के रूप में परिकल्पित किया गया है। यह सतह और **हवाई लक्ष्यों की लॉन्चिंग और पुनर्प्राप्ति, समुद्री निगरानी और गश्त, मानवीय सहायता, समुद्री प्रदूषण से निपटने** आदि जैसी अन्य भूमिकाएँ भी निभाएगा।

लार्सन एंड टुब्रो (L&T):

लार्सन एंड टुब्रो (L&T) एक भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनी है, जो **प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, निर्माण, विनिर्माण, और वित्तीय सेवाओं** के क्षेत्र में काम करती है।

- ☑ **सेवा क्षेत्र:** यह कंपनी **हाइड्रोकार्बन, इन्फ्रास्ट्रक्चर, पावर, प्रोसेस इंडस्ट्रीज, और रक्षा** जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ग्राहकों को सेवाएँ प्रदान करती है।
- ☑ **अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति:** L&T 50 से अधिक देशों में काम कर रही है और यह भारत में इंजीनियरिंग और निर्माण क्षेत्र में अपनी स्थिरता प्रदर्शन को सार्वजनिक रूप से प्रकट करने वाली पहली कंपनी थी।

विश्व ऊर्जा परिदृश्य 2024 / World Energy Outlook 2024

विश्व ऊर्जा परिदृश्य 2024 के अनुसार, अगले दशक में **भारत में ऊर्जा** की मांग अन्य किसी भी देश से अधिक बढ़ने की संभावना है।

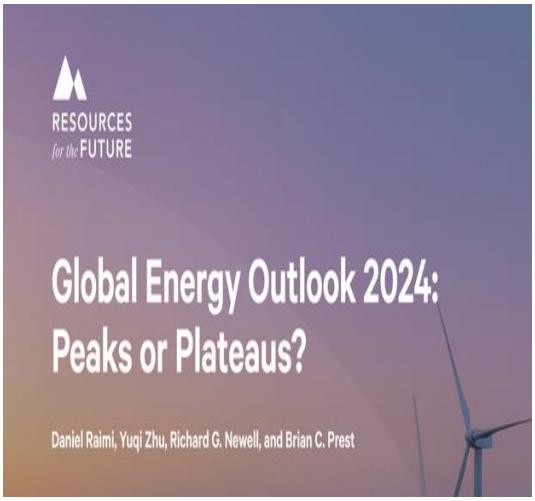

विश्व ऊर्जा आउटलुक 2024:

- ✓ **प्रकाशक:** यह रिपोर्ट **अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA)** द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित की जाती है।
- ✓ **महत्व:** यह **वैश्विक ऊर्जा विश्लेषण और अनुमानों** का सबसे प्रामाणिक स्रोत है, जो **ऊर्जा सुरक्षा, उत्सर्जन और आर्थिक विकास** से जुड़े बड़े रुझानों की पहचान करता है।

2024 रिपोर्ट की मुख्य विशेषताएं:

- ✓ **नया ऊर्जा परिदृश्य:** विश्व एक नए ऊर्जा परिदृश्य में प्रवेश कर रहा है, जिसमें **विभिन्न ईंधनों** और **प्रौद्योगिकियों की प्रचुरता और भू-राजनीतिक खतरे** शामिल हैं।
- ✓ **क्लीन एनर्जी:** 2030 तक विश्व की आधी से अधिक **बिजली कम उत्सर्जन** वाले ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न होने की उम्मीद है।
- ✓ **पारंपरिक ईंधनों की मांग:** इस दशक के अंत तक **तेल, कोयला और गैस** की मांग चरम पर पहुंचने का अनुमान है।
- ✓ **बिजली की मांग में वृद्धि:** वैश्विक बिजली की मांग **जापान की वार्षिक खपत** के बराबर हर साल बढ़ेगी।

भारत से संबंधित मुख्य बातें:

- ☑ **ऊर्जा की मांग में वृद्धि:** भारत अगले दशक में सबसे अधिक **ऊर्जा की मांग का सामना** करेगा, जो इसके आकार और विभिन्न क्षेत्रों में बढ़ती मांग का परिणाम है।
- ☑ **वाहन वृद्धि: STEPS (घोषित नीति परिदृश्य) के अनुसार, भारत 2035** तक **प्रतिदिन 12,000 से अधिक** नई कारें सड़कों पर उतारेगा।
- ☑ **निर्माण वृद्धि:** हर साल **1 बिलियन वर्ग मीटर** से अधिक निर्मित क्षेत्र जोड़ा जाएगा, जो दक्षिण अफ्रीका के कुल निर्मित क्षेत्र से भी अधिक है।
- ☑ **इस्पात और सीमेंट उत्पादन:** 2035 तक इस्पात उत्पादन में **70% और सीमेंट उत्पादन में 55% की वृद्धि** होने की उम्मीद है।
- ☑ **एयर कंडीशनरों की मांग:** एयर कंडीशनरों की **मांग में 4.5 गुना वृद्धि** होगी, जिससे **2035** में इनसे बिजली की खपत **मैक्सिको** की कुल अपेक्षित खपत से अधिक हो जाएगी।
- ☑ **बिजली उत्पादन क्षमता: 2035** तक भारत की कुल ऊर्जा मांग में **35% वृद्धि होगी**, और इसकी बिजली उत्पादन क्षमता लगभग तीन गुनी होकर **1400 गीगावाट** हो जाएगी।
- ☑ **कोयले का महत्व:** भारत के ऊर्जा मिश्रण में कोयला महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहेगा, और **2030 तक 60 गीगावाट** की **नई कोयला आधारित** क्षमता जोड़ी जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA)

- ☑ **स्थापना:** 1974 में **तेल आपूर्ति सुरक्षा** सुनिश्चित करने के लिए इसकी स्थापना की गई थी।
- ☑ **सदस्य:** इसमें **31 सदस्य देश और 11 सहयोगी देश** शामिल हैं।
- ☑ **उद्देश्य:** यह सरकारों और उद्योगों के साथ मिलकर एक **सुरक्षित और टिकाऊ ऊर्जा** भविष्य को आकार देने का कार्य करता है। इसकी स्थापना **1973-1974** के तेल संकट के दौरान हुई थी, जब **तेल प्रतिबंध** ने कीमतों में भारी वृद्धि की थी और तेल आयात पर निर्भरता उजागर की थी।

Figure 1.15 ▹ Change in electricity generation by source and power sector CO_2 emissions in selected regions, 2018-2023

Over the past five years, low-emissions sources outpaced any electricity demand growth in many regions, driving down unabated fossil fuels and cutting power sector emissions

रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में वृद्धि/ Increase in Minimum Support Price (MSP) of Rabi Crops

हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में **आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA)** ने विपणन सीजन 2025-26 के लिए सभी प्रमुख रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) में वृद्धि की मंजूरी दी है। यह वृद्धि केंद्रीय बजट **2018-19** में की गई उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें MSP को अखिल भारतीय भारित औसत उत्पादन लागत का **कम-से-कम 1.5 गुना** तय करने की बात कही गई थी।

MSP क्या है?

न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) वह **न्यूनतम मूल्य** है, जिस पर सरकार किसानों से उनकी फसलें खरीदने की गारंटी देती है। यह मूल्य किसानों को उनके उत्पादन लागत के आधार पर तय किया जाता है, ताकि वे नुकसान से बच सकें और अपनी फसलों की बिक्री के लिए उन्हें एक **निश्चित न्यूनतम मूल्य** मिल सके।

MSP का निर्धारण:

MSP का निर्धारण **कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP)** की सिफारिशों के आधार पर किया जाता है। CACP फसलों के लिए MSP की सिफारिश करते समय उत्पादन लागत के साथ-साथ अन्य महत्वपूर्ण कारकों जैसे बाजार की कीमतें, मांग-आपूर्ति, अंतर्राष्ट्रीय मूल्य, और किसानों की लागत को ध्यान में रखता है।

उत्पादन लागत के प्रकार:

1. **A2 लागत:** इसमें किसानों द्वारा **बीज, उर्वरक, श्रम, सिंचाई, ईंधन, आदि पर किए गए सभी नकद और वस्तुगत** भुगतान शामिल हैं।
2. **A2+FL:** इसमें A2 लागत के साथ-साथ **अवैतनिक पारिवारिक श्रम** की लागत भी शामिल होती है।
3. **C2 लागत:** इसमें A2+FL के साथ स्वामित्व वाली **भूमि और अन्य अचल संपत्ति** के किराए तथा ब्याज को भी शामिल किया जाता है।

उद्देश्य:

- ✓ **न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP)** किसानों को उनकी उपज के लिए सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला एक **गारंटी मूल्य** है, जो उन्हें मजबूरी में अपनी **फसलें बेचने से बचाने और सार्वजनिक वितरण** के लिए खाद्यान्न खरीदने के लिए सुनिश्चित करता है।
- ✓ यदि किसी वस्तु का **बाजार मूल्य निर्धारित न्यूनतम** मूल्य से नीचे चला जाता है, तो **सरकारी एजेंसियां किसानों** द्वारा आपूर्ति की गई पूरी मात्रा को उस न्यूनतम मूल्य पर खरीद लेंगी।
- ✓ MSP में वृद्धि न केवल किसानों के कल्याण के लिए आवश्यक है, बल्कि यह कृषि बाजारों को स्थिर करने में भी मदद करती है, खासकर जब भारत घरेलू दलहन उत्पादन को बढ़ाने के लिए बढ़ते आयात के बीच संघर्ष कर रहा है।

पृष्ठभूमि:

- ☑ **ब्रिटिश शासन का प्रभाव:** भारत की **कृषि स्थिति ब्रिटिश शासन** के दौरान बिगड़ गई थी, जिसके कारण किसान गरीब हो गए थे।
- ☑ **खाद्यान्न जांच समिति (1957): जवाहरलाल नेहरू प्रशासन** ने कृषि आय के मुद्दे को सुलझाने का पहला प्रयास किया।
- ☑ **खाद्यान्न मूल्य समिति (1964): लाल बहादुर शास्त्री** ने **एल.के. झा** के नेतृत्व में **MSP व्यवस्था** को लागू करने के लिए समिति का गठन किया।
- ☑ **MSP की पहली घोषणा (1967):** तत्कालीन **कृषि मंत्री जगजीवन राम** द्वारा की गई।
- ☑ **कृषि मूल्य आयोग:** MSP तय करने के लिए **कृषि मूल्य आयोग (जिसका नाम 1985 में बदलकर CACP कर दिया गया)** की स्थापना की गई।

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (CACP)

CACP भारत सरकार के **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय** का एक महत्वपूर्ण कार्यालय है, जिसकी स्थापना जनवरी 1965 में हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की सिफारिश करना है, ताकि किसानों को प्रोत्साहित किया जा सके और कृषि उत्पादकता में वृद्धि हो सके।

CACP किन वस्तुओं के लिए MSP की सिफारिश करता है?

- ☑ **7 अनाज:** धान, गेहूं, मक्का, ज्वार, बाजरा, जौ, रागी
- ☑ **5 दालें:** चना, अरहर, मूंग, उड़द, मसूर
- ☑ **7 तिलहन:** मूंगफली, रेपसीड-सरसों, सोयाबीन, सीसम, सूरजमुखी, कुसुम, नाइजरसीड
- ☑ **3 वाणिज्यिक फसलें:** खोपरा, कपास, कच्चा जूट
- ☑ गन्ने के लिए 'उचित एवं लाभकारी मूल्य' (FRP) की घोषणा की जाती है।

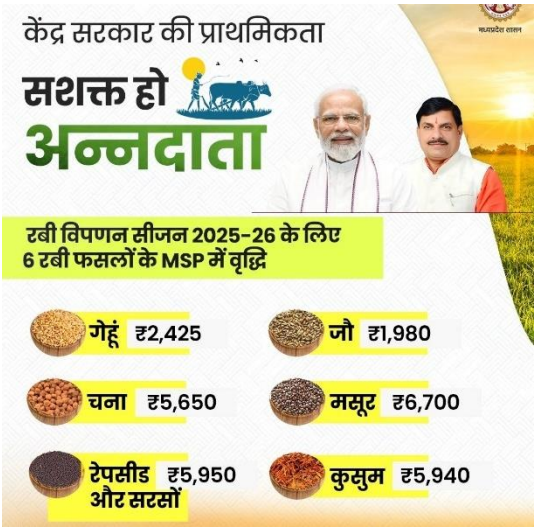

नागरिकता अधिनियम की धारा 6A
Section 6A of the Citizenship Act

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में **नागरिकता अधिनियम की धारा 6A** की वैधता को बरकरार रखते हुए एक महत्वपूर्ण निर्णय दिया है। यह धारा **नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1985** का हिस्सा है और इसे असम आंदोलन के नेताओं और तत्कालीन केंद्र सरकार के बीच एक समझौते के तहत जोड़ा गया था। इसके माध्यम से, **1 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1971** के बीच पूर्वी **पाकिस्तान (अब बांग्लादेश)** से असम में प्रवास करने वाले लोगों को नागरिकता प्रदान की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला:

- ✓ **विधायी क्षमता:** सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा **6A** को **संसद की विधायी क्षमता** के तहत लागू किया गया है, जो **अनुच्छेद 246 और संघ सूची की प्रविष्टि 17** के तहत आता है। यह **प्रविष्टि नागरिकता, प्राकृतिककरण और विदेशियों** से संबंधित है।
- ✓ **समानता का उल्लंघन:** कोर्ट ने यह भी कहा कि असम के **विशेष नागरिकता कानून का अनुच्छेद 14 (समानता)** के तहत उल्लंघन नहीं है, क्योंकि असम में प्रवासियों की स्थिति शेष भारत की तुलना में अद्वितीय थी।
- ✓ **संस्कृति पर प्रभाव:** यह पाया गया कि प्रवासियों के आगमन से असमिया लोगों के **सांस्कृतिक अधिकारों** को कोई नुकसान नहीं हुआ है, और इस पर कोई ठोस सबूत नहीं मिला है।
- ✓ **कटऑफ तिथि: 24 मार्च 1971** को कटऑफ तिथि के रूप में निर्धारित करना उचित है, क्योंकि इसी दिन पाकिस्तानी सेना ने **पूर्वी पाकिस्तान में बांग्लादेशी राष्ट्रवादी आंदोलन** को दबाने के लिए ऑपरेशन सर्चलाइट शुरू किया था। इस तिथि के बाद आए प्रवासियों को युद्ध के प्रवासी माना गया है, जबकि इससे पहले के प्रवासियों को विभाजन के संदर्भ में देखा गया।

नागरिकता अधिनियम, 1955 के बारे में:

- ☑ इस अधिनियम में नागरिकता प्राप्त करने के पांच तरीके बताए गए हैं: **जन्म, वंश, पंजीकरण, प्राकृतिककरण और क्षेत्र का समावेश।**
- ☑ इसमें दोहरी नागरिकता का प्रावधान नहीं है, यानी **एक व्यक्ति एक ही देश का नागरिक हो सकता है।**

नागरिकता संशोधन अधिनियम, 2019:

- ☑ इस संशोधन में यह प्रावधान किया गया है कि अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान से **हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी या ईसाई समुदाय** से संबंधित कोई भी व्यक्ति, यदि 31 दिसंबर, 2014 को या उससे पहले भारत में प्रवेश कर चुका है, तो उसे अवैध प्रवासी नहीं माना जाएगा।

कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा (EDLI) योजना
Employee Deposit Linked Insurance (EDLI) Scheme

केंद्र सरकार ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सभी अंशधारकों और उनके परिवार के सदस्यों को **कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा (EDLI)** योजना का लाभ अगली सूचना तक देने का फैसला किया है।

EDLI योजना का परिचय:

- ✓ **शुरुआत:** EDLI योजना **1976** में सरकार द्वारा शुरू की गई थी।
- ✓ **उद्देश्य:** यह योजना उन निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को **सामाजिक सुरक्षा लाभ प्रदान** करने के लिए बनाई गई थी जिनके लिए नियोक्ता द्वारा जीवन बीमा कवर नहीं दिया जाता।
- ✓ **प्रबंधन:** EDLI योजना का **प्रबंधन और प्रशासन कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO)** द्वारा किया जाता है।
- ✓ **सदस्यता:** इस योजना में वे सभी संगठन शामिल होते हैं जो **कर्मचारी भविष्य निधि (EPF)** और **विविध प्रावधान अधिनियम, 1952** के तहत पंजीकृत हैं।
- ✓ **संबंध:** यह **योजना कर्मचारी भविष्य निधि (EPF)** और **कर्मचारी पेंशन योजना (EPS)** के साथ मिलकर काम करती है।

EDLI योजना की मुख्य विशेषताएँ:

- ☑ **बीमा लाभ:** EDLI योजना के तहत, यदि सेवा अवधि के दौरान कर्मचारी की मृत्यु हो जाती है, तो नामित व्यक्ति को **7 लाख रुपये** तक का बीमा लाभ एकमुश्त भुगतान किया जाता है।
- ☑ **न्यूनतम लाभ:** यदि मृतक सदस्य **12 महीने** तक लगातार नौकरी में था, तो न्यूनतम आश्वासन लाभ **2.5 लाख रुपये** है।
- ☑ **नि:शुल्क कवर:** यह बीमा कवर पीएफ/EPF खाताधारकों के लिए नि:शुल्क है, यानी कर्मचारी को इसमें कोई अंशदान नहीं करना होता।
- ☑ **नियोक्ता का अंशदान:** नियोक्ता कर्मचारी के मासिक वेतन का **0.5% अंशदान** करते हैं, अधिकतम वेतन सीमा **15,000 रुपये** तक तय की गई है।
- ☑ **स्वत: नामांकन:** EPF सदस्यों का **EDLI योजना** में स्वत: नामांकन होता है।
- ☑ **भुगतान:** बीमा लाभ सीधे नामित व्यक्ति या कानूनी उत्तराधिकारी के बैंक खाते में जमा किया जाता है।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) के बारे में :

- **स्थापना:** EPFO **कर्मचारी भविष्य निधि और विविध अधिनियम, 1952** के तहत एक वैधानिक निकाय है।
- **प्रशासनिक नियंत्रण:** यह **केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय** के अधीन आता है।

हैंड-इन-हैंड पहल
Hand-in-Hand Initiative

हाल ही में, **खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO)** के महानिदेशक ने तीसरे **हैंड-इन-हैंड निवेश फोरम** का उद्घाटन किया हैं।

हैंड-इन-हैंड पहल के बारे में:

- ✓ **शुरुआत:** **हैंड-इन-हैंड पहल 2019** में **खाद्य और कृषि संगठन (FAO)** द्वारा शुरू की गई थी।
- ✓ **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य उन देशों और क्षेत्रों की मदद करना है जहां **गरीबी, भुखमरी और असमानताएँ** सबसे अधिक हैं। यह पहल कृषि-खाद्य प्रणालियों के रूपांतरण के माध्यम से **गरीबी उन्मूलन, भुखमरी को समाप्त** करना, और असमानताओं को कम करने का प्रयास करती है।
- ✓ **लक्ष्य:** इस पहल का लक्ष्य संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) में योगदान देना है, विशेष रूप से:
  - **SDG 1: गरीबी उन्मूलन,**
  - **SDG 2: भुखमरी और कुपोषण का उन्मूलन,**
  - **SDG 10: असमानताओं को कम करना।**

विशेषताएँ:

- ✓ **प्राथमिकता क्षेत्र:** पहल उन देशों और क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है
  - **गरीबी और भुखमरी चरम पर हैं।**
  - **प्राकृतिक या मानव निर्मित संकटों के कारण कठिनाइयाँ हैं।**
  - **राष्ट्रीय क्षमताएं सीमित हैं।**
- ✓ **दृष्टिकोण:** यह पहल **भू-स्थानिक, जैव-भौतिकीय और सामाजिक-आर्थिक डेटा** का उपयोग करके उन क्षेत्रों की पहचान करती है जहां कृषि-खाद्य प्रणाली का रूपांतरण गरीबी और भुखमरी को कम करने में सबसे अधिक सहायक हो सकता है।
- ✓ **हस्तक्षेप के क्षेत्र:**
  - **प्राथमिकता वाली वस्तुओं के लिए मूल्य श्रृंखलाओं का विकास।**
  - **कृषि-उद्योगों और जल प्रबंधन प्रणालियों का निर्माण।**
  - **डिजिटल सेवाओं और सटीक कृषि का प्रावर्तन।**
- ✓ **सदस्य देश:** वर्तमान में इस पहल में **72 देश** शामिल हो चुके हैं।

सतत विकास लक्ष्य (SDG) क्या हैं?

- ☑ **परिचय:** 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों ने **"2030 सतत विकास के लिए एजेंडा"** को अपनाया। इसका उद्देश्य लोगों और ग्रह के लिए दीर्घकालिक शांति और समृद्धि सुनिश्चित करना है।
- ☑ **SDG की संख्या:** इसमें **17 सतत विकास लक्ष्य (SDGs)** हैं, जो वैश्विक साझेदारी के तहत दुनिया भर के देशों के लिए विकास के नए मानक तय करते हैं।

सारथी प्रणाली
saarthi system

हाल ही में, **राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान, कुंडली (निफ्टेम-के)** ने **हाइब्रिड कंट्रोल्स एंड इंटेलिजेंस (सारथी)** प्रणाली के साथ सोलर असिस्टेड रीफर ट्रांसपोर्टेशन की शुरुआत की है।

सारथी प्रणाली के बारे में:

सारथी प्रणाली एक अभिनव समाधान है जिसका उद्देश्य फसल कटाई के बाद शीघ्र नष्ट होने वाले खाद्य पदार्थों, जैसे **फल और सब्जियों**, के परिवहन में होने वाले नुकसान को कम करना है। यह प्रणाली **राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (NIFTEM-K)** द्वारा विकसित की गई है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- ✓ **दोहरे डिब्बे:** सारथी प्रणाली में अलग-अलग तापमान पर फलों और सब्जियों को संग्रहीत करने के लिए **दोहरे डिब्बे** होते हैं, जो उनकी विशिष्ट भंडारण आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।
- ✓ **IoT और वास्तविक समय निगरानी:** यह प्रणाली **इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IoT)** का उपयोग करके सेंसर से प्राप्त डेटा को **क्लाउड पर भेजती** है। इसका उपयोग मोबाइल ऐप के माध्यम से ताजे फलों और सब्जियों के परिवहन के दौरान उनकी गुणवत्ता की वास्तविक समय की जानकारी प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है।
- ✓ **सेंसर डेटा:** इस प्रणाली में लगे **सेंसर तापमान, आर्द्रता, एथिलीन, और CO2** के स्तर को मापते हैं, ताकि उत्पाद की गुणवत्ता का सही मूल्यांकन किया जा सके। यह डेटा मोबाइल ऐप पर प्राप्त किया जा सकता है।
- ✓ **सौर ऊर्जा चालित एयर हैंडलिंग यूनिट:** यह यूनिट ठहराव के दौरान तापमान नियंत्रण को बनाए रखने के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करती है, जिससे ऊर्जा की खपत और कार्बन उत्सर्जन में कमी होती है।

महत्व:

- **शेल्फ लाइफ बढ़ाना:** यह प्रणाली फल और सब्जियों की **शेल्फ लाइफ** को बढ़ाने में मदद करती है, जिससे ठंड लगने या नमी की कमी के कारण होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।
- **स्मार्ट निर्णय लेने में मदद:** यह ट्रांसपोर्टरों को खराब होने का पता लगने पर उत्पादों को पास के बाजारों में भेजने और ऊर्जा की बर्बादी को कम करने में सक्षम बनाती है।
- **कार्बन फुटप्रिंट में कमी:** यह सौर ऊर्जा का उपयोग करके पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को सुनिश्चित करती है, जिससे **कार्बन उत्सर्जन** को भी कम किया जा सके।

सारथी प्रणाली के फायदे:

- ☑ **परिवहन के दौरान कम नुकसान:** यह **प्रणाली गुणवत्ता मापदंडों** की निगरानी करके उत्पाद के परिवहन के दौरान होने वाले नुकसान को न्यूनतम रखती है।
- ☑ **ऊर्जा की बचत: सौर ऊर्जा चालित यूनिट** के कारण **ठंडक बनाए** रखने में ऊर्जा की बर्बादी कम होती है।

पेट्रा के बारे में मुख्य तथ्य
Key facts about Petra

पुरातत्वविदों ने **जॉर्डन** के **पेट्रा** में एक **गुप्त कब्र** का पता लगाया है, जिसमें **2000 वर्ष पुराने कंकाल और एक पवित्र ग्रिल** जैसा दिखने वाला प्याला मिला है।

पेट्रा का परिचय:

- ✓ **स्थान: पेट्रा दक्षिणी जॉर्डन** में स्थित एक ऐतिहासिक और पुरातात्विक शहर है।
- ✓ **ऐतिहासिक महत्व:** यह **हेलेनिस्टिक और रोमन काल** में एक अरब साम्राज्य का केंद्र था।
- ✓ **स्थापना:** पेट्रा की **स्थापना 312 ई.** में हुई थी, जिससे यह लगभग **2000 वर्ष पुराना** हो जाता है।
- ✓ **नबातियन साम्राज्य:** यह **नबातियन** लोगों की राजधानी था, जो एक **अरब जनजाति** थी, जिनका उल्लेख **बाइबिल** में किया गया है।
- ✓ **वाणिज्यिक केंद्र:** नाबातियन शासन के तहत, पेट्रा मसाला व्यापार का केंद्र बना, जिसमें **चीन, मिस्र, ग्रीस और भारत** जैसे विभिन्न क्षेत्र शामिल थे।
- ✓ **रोमनों का अधिकार:** रोमनों ने **106 ई.** में पेट्रा पर विजय प्राप्त की, और इसे **अरब के रोमन** प्रांत में बदल दिया।
- ✓ **विकास का काल:** दूसरी और तीसरी शताब्दी के दौरान **पेट्रा का विकास** जारी रहा, लेकिन **सातवीं शताब्दी** में रोमनों ने इस्लाम के हाथों अपना अधिकार खो दिया।
- ✓ **पुन: खोज:** 12वीं शताब्दी में, **पेट्रा पर विभिन्न नेताओं** ने अधिकार कर लिया और यह लंबे समय तक छिपा रहा, जब तक कि **1812 में स्विस खोजकर्ता** जोहान लुडविग बर्कहार्ट ने इसे खोज नहीं लिया।

विशेषताएँ:

- ☑ **इमारतों का निर्माण:** पेट्रा की कई इमारतें सीधे चट्टानी बलुआ पत्थर की चट्टानों पर बनाई गई थीं।
- ☑ **नाम का अर्थ: "पेट्रा"** नाम ग्रीक शब्द **"चट्टान"** से आया है।
- ☑ **भौगोलिक संरचना:** पेट्रा एक सीढ़ीदार स्थान पर स्थित है, जिसके **मध्य वादी मूसा (मूसा की घाटी)** पूर्व से पश्चिम तक बहती है।
- ☑ **चट्टानों का रंग:** यह घाटी बलुआ पत्थर की चट्टानों से घिरी हुई है, जिनमें लाल और बैंगनी से लेकर हल्के पीले रंग की धारियाँ हैं।
- ☑ **कब्रों की संख्या:** पेट्रा में लगभग **800 कब्रें हैं**, इसलिए इसे **"शाही कब्र"** के रूप में जाना जाता है, जिनमें सबसे प्रसिद्ध **'ट्रेजरी'** है।
- ☑ **गुलाब शहर:** पेट्रा को इसकी इमारतों में प्रयुक्त पत्थरों के रंग के कारण **"गुलाब शहर"** भी कहा जाता है।
- ☑ **यूनेस्को विश्व धरोहर:** पेट्रा 1985 से **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल** है।

भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र का महत्व
Importance of Northeast region of India

हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति ने **पूर्वोत्तर क्षेत्र राष्ट्रीय एकता, आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक** पर प्रकाश डाला हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र का परिचय:

- ✓ **राज्य:** इसमें आठ पहाड़ी राज्य शामिल हैं: अरुणाचल प्रदेश, असम, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, सिक्किम और नागालैंड।
- ✓ **अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ:** यह **चीन, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और म्यांमार** के साथ **5,812 किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय** सीमा साझा करता है।
- ✓ **संकीर्ण कनेक्शन:** यह 'चिकन नेक' के रूप में जाना जाने वाला सिलीगुड़ी गलियारे के माध्यम से मुख्य भूमि भारत से जुड़ा हुआ है, जो केवल **22 किमी लंबा** है।
- ✓ **भाषाई विविधता:** यहाँ **220 भाषाएँ बोली** जाती हैं, और विभिन्न जनजातीय समूहों के अद्वितीय सामाजिक और सांस्कृतिक विशेषताएँ हैं।

क्षेत्र का महत्व:

- ☑ **रणनीतिक स्थान:** यह आसियान बाजारों के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है, जिससे **दक्षिण-पूर्व एशिया** तक आसान पहुंच संभव हो जाती है।
- ☑ **प्राकृतिक संसाधन:** क्षेत्र में **तेल, गैस, कोयला, खनिज, लकड़ी, औषधीय पौधों और जल संसाधनों** की प्रचुरता है।
- ☑ **भारत का हरित केंद्र:** यहाँ **हरे-भरे वन और जैव विविधता** है, जो **पारिस्थितिकी पर्यटन और कृषि आधारित** उद्योगों के लिए आदर्श है।
- ☑ **सांस्कृतिक विरासत:** यह अद्वितीय जातीय समुदायों और परंपराओं का घर है, जो पर्यटन और हस्तशिल्प में निवेश के अवसर प्रदान करता है।
- ☑ **कम लागत वाला विनिर्माण केंद्र:** क्षेत्र में श्रम लागत अन्य क्षेत्रों की तुलना में प्रतिस्पर्धी है।
- ☑ **कुशल कार्यबल:** इसमें **युवा, शिक्षित कार्यबल** है, जो अंग्रेजी में कुशल है।
- ☑ **उभरता हुआ उपभोक्ता बाजार:** बढ़ती आय और शहरीकरण के साथ उपभोक्ता आधार में वृद्धि हो रही है, जिससे व्यावसायिक संभावनाएँ बढ़ रही हैं।

चुनौतियाँ:

- **आर्थिक विकास में बाधाएँ:** ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों ने जनजातीय हितों की रक्षा के लिए सीमाएँ बनाई, जिससे विकास प्रभावित हुआ।
- **सामाजिक-राजनीतिक समस्याएँ: अलगाव, राजनीतिक हिंसा और जातीय संघर्ष** जैसे मुद्दे क्षेत्र में विकास को जटिल बना रहे हैं।
- **कनेक्टिविटी में देरी: कनेक्टिविटी परियोजनाओं** में देरी हो रही है, जिससे क्षेत्र की विकास संभावनाएँ बाधित हो रही हैं।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC

TEST SERIES

- 100+ Mock Test
- 78 Sectional Test
- 40+ years PYPs
- 60+ Current affairs

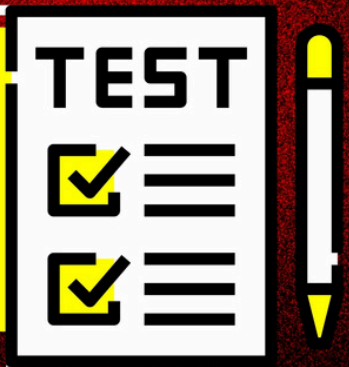

Only 99 Per Year

Buy Now

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY POLITY

1499 RS

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !